जीरावला में शिलान्यास समारोह आयोजित

जीरावल 26 मई। जग-जयवंत श्री जीरावला तीर्थ की पावन धरा पर श्री पार्श्व प्रभु जिनालय , गणधर गौतमस्वामी गुरुमंदिर एवं दादा गुरुदेव श्री जिनकुशलसूरिजी दादाबाड़ी का भूमि पूजन , खात मुहूर्त और शिलान्यास भव्य उल्लास पूर्वक दिनांक 26 मई को श्री जिनकांतिसागरसूरि स्मारक ट्रस्ट , जहाज मंदिर, माण्डवला के तत्त्वावधान में संपन्न हुआ।

अवंति तीर्थोद्धारक खरतरगच्छाधिपति पूज्य आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म .सा.की पावन प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में उनके शिष्य पूज्य मुनिराज श्री मयंकप्रभसागरजी म ., आर्य मेहुलप्रभसागरजी म .की निश्रा में एवं पूज्या महत्तरावर्या श्री चंपाश्रीजी म .की शिष्या साध्वीवर्या विमलप्रभाश्रीजी म .की चरणाश्रिता पूज्या साध्वी हेमरत्नाश्रीजी म ., साध्वी जयरत्नाश्रीजी म ., साध्वी नूतनप्रियाश्रीजी म .ठाणा-3 के सानिध्य में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।

प्रातः शुभ मुहूर्त्त में स्नात्र पूजा, नवग्रह पूजन, अष्ट मंगल पूजन, दश दिक्पाल पूजन कर भूमि-शुद्धि करते हुए श्री भंवरलालजी धरमचंदजी संकलेचा परिवार पादरु निवासी द्वारा भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के समय में उल्लास देखने योग्य था। जिनमंदिर की भूमि पर पवित्र जलधारा , अबीर, गुलाल, कंकू आदि से छांटणे कर परमात्मा, दादा गुरुदेव, क्षेत्रपाल एवं जिनशासन भक्तफ़ देवी-देवताओं का मंगल आह्नान किया गया।

भूमिपूजन के पश्चात् खातमुहूर्त विधान का विधिवत् प्रारंभ किया गया। खातमुहूर्त के लाभार्थी श्री प्रवीणकुमारजी रिंकूकुमारजी संकलेचा परिवार पादरु निवासी द्वारा तीर्थ-निर्माण की संकल्पना के साथ जीरावला पार्श्वप्रभु, पूज्य उपकारी दादा गुरुदेव एवं प्रेरणा प्रदाता अवन्ति तीर्थोद्धारकश्री का स्मरण करते हुए परमात्मा के जयघोष के साथ ईशान कोण से खनन आरंभ किया। इस पावन अवसर पर उपस्थित प्रभु-भक्तों ने भी खनन मुहूर्त्त में लाभ लिया।

प्रातः 10 बजे धर्मसभा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पूज्य मुनिराज श्री मयंकप्रभसागरजी म.ने विश्व-शान्ति की मंगल भावना हेतु मंगलाचरण कर धर्मसभा का विधिवत् प्रारंभ किया गया। साध्वी नूतनप्रियाश्रीजी म.ने प्रभुभक्ति गीत गाते हुए सभी को जिनालय-निर्माण की महिमा बताई।

संचालन करते हुए श्री मांगीलालजी भण्डारी ने आगंतुक सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए पावन अवसर पर धन्य बनने का निवेदन किया।

आर्य मेहुलप्रभसागरजी म .ने नवांगी टीकाकार अभयदेवसूरिजी रचित कूपदृष्टान्त-विशदीकरण को रूपक द्वारा बतलाते हुए प्रभुभक्ति को दिव्य औषधि के समान बताया। जीरावला पार्श्वप्रभु की महिमा करते हुए कहा कि ऐसे पार्श्व प्रभु आधि-व्याधि के हरने वाले है। जिनकी सेवा-पूजा भक्तों अभीष्ट फल प्रदान करने वाली है, उनके जिनालय का शिलान्यास निश्चित रूप से भवो-भव के तापों को शांत करेगा।

धर्मसभा में सौभाग्यशाली-अभिनंदन समारोह संपन्न हुआ। तिलक द्वारा बहुमान लाभार्थी श्रीमती लादीबाई ध.प.स्व.सेठ शंभुमलजी बलवंतजी यशवंतजी रांका परिवार ब्यावर , माला द्वारा बहुमान लाभार्थी श्रीमती कमलादेवी ध .प.सुरेन्द्रमलजी मख्तुरमलजी पटवा परिवार , रिषभ ग्रेनाइट , जालोर, श्रीफल द्वारा बहुमान लाभार्थी श्री मांगीलालजी पूनमचंदजी भण्डारी मांडवला , साफा द्वारा बहुमान लाभार्थी श्री ताराचंदजी दीपचंदजी सोभागमलजी कोठारी , ब्यावर, स्मृति चिन्ह द्वारा बहुमान लाभार्थी श्री कल्याणमलजी भिखचंदजी छाजेड़ सांचोर द्वारा सभी विविध पुण्यशाली लाभार्थी परिवारों का भारतीय संस्कृति के अनुरूप अभिनंदन किया गया।

विजयमुहूर्त्त की शुभ वेला में शिलान्यास विधि का प्रारंभ हुआ। शिलाओं के अभिषेक व पूजन के पश्चात् दिक्पालों का आह्नान कर शुभकारी निधि-कलशों पर मंत्रेच्चारों एवं जयकारों के बीच शिलाओं को क्रमशः लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रार्थनापूर्वक स्थापित किया गया। वैशाख माह की अतिशय गरमी में भी लाभार्थी परिवारों ने उत्साह के साथ परमात्मा की भक्ति में निमग्न होकर अपूर्व श्रद्धा का परिचय दिया।

शिलाओं की विधिवत् स्थापना के पश्चात् सोने की ईंट स्थापित करने का लाभ श्री शंकरलालजी खंगारमलजी मालू चोहटन, चांदी की ईंट स्थापित करने का लाभ श्री बाबुलालजी भूरचंदजी लूणिया धोरीमन्ना, रजतमय कूर्म स्थापित करने का लाभ श्री लूणकरणजी शंकरलालजी रांकावत चोहटन , श्रीयंत्र स्थापित करने का लाभ श्री शंकरलालजी धारीवाल चोहटन , नाभि-नाल स्थापित करने का लाभ श्रीमती जमनादेवी जेठमलजी गांधी परिवार चितलवाना , स्वर्ण मुद्रा से नाल भरने का लाभ श्री मांगीलालजी चिंतामणदासजी संकलेचा बाडमेर, नव रत्न स्थापित करने का लाभ श्री अमृतलालजी नेमीचंदजी पारख हरसाणी , नाग-युगल स्थापित करने का लाभ आलमचंदजी बोहरीदासजी बोथरा धोरीमन्ना ने लेकर प्रभु-भक्ति का पूर्ण लाभ लिया।

शिलान्यास समारोह के निश्रादाता पूज्य मुनिराज श्री मयंकप्रभसागरजी म .सा.एवं पूज्या साध्वीवर्या हेमरत्नाश्रीजी म .का गुरु-पूजन तथा कामली बहोराने का विशिष्ट लाभ श्री प्रवीणकुमारजी रिंकूकुमारजी संकलेचा परिवार ने लेकर गुरु-भक्ति का परिचय दिया।

इस पावन अवसर पर भूमि पूजन लाभार्थी श्री भंवरलालजी धरमचंदजी संकलेचा परिवार, जय जिनेन्द्र व नाकोड़ा भैरव देव-अंबिकादेवी मंदिर व खातमुहूर्त्त लाभार्थी श्री प्रवीणकुमारजी रिंकूकुमारजी संकलेचा , स्वामी-वात्सल्य एवं मुख्य तीन शिलाओं के लाभार्थी श्री मोहनलालजी हरखचंदजी गुलेच्छा परिवार एवं सभी शिलाओं के लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया।

शिलान्यास के मांगलिक प्रसंग पर बाड़मेर , चोहटन, धोरीमन्ना, सांचोर, चितलवाना, जालोर, बालोतरा, रानीवाड़ा, मांडवला, हैदराबाद, विजयवाडा, चैन्नई, बंगलुरू, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद सहित अखिल भारत वर्ष के गुरुभक्तों ने उपस्थित रहकर अपना श्रद्धाभाव प्रकट किया।

महोत्सव को सफल बनाने में उत्तमचंदजी रांका , कैलाशजी संकलेचा, प्रकाशचंदजी छाजेड, दीपचंदजी कोठारी, धर्मेन्द्रजी पटवा आदि का विशेष सहयोग रहा। विधिविधान हेतु हेमन्तजी वैदमूथा एवं संजयजी ककरेचा का आगमन हुआ।